Download the free PDF of Indigo Summary in English Class 12 Flamingo. The Indigo Summary in English Class 12 Flamingo will boost students' understanding of the main ideas, themes, questions and answers, textual questions, and MCQ questions and answers that will be discussed in the upcoming articles on Indigo. The Summary of Indigo is prepared after long discussions and reading each detail of Indigo minutely. The summary in Hindi will help the rural students who are poor at English.

Indigo Summary in English Class 12 Flamingo

Introduction of Indigo Summary in English

Indigo written by Louis Fischer Summary in English Class 12 Flamingo will be a gateway to understanding the major constituents of the Champaran Movement, which became a symbol of Indian Independence. "The real relief for them is to be free from fear." Mahatma Gandhi helped the Indian farmers to come out of the fear of English landlords who used to exploit the sharecroppers of Champaran. Indigo summary for English 12 Flamingo will furnish the major points of Indigo to the students. Most of the arable land in the Chamarran was divided into large estates owned by Englishmen and worked by Indian tenants. The chief commercial crop was indigo. Following that, the movement assisted peasants in becoming courageous and alert to their fundamental rights. Furthermore, Gandhiji worked not only on political and economic issues but also on social ones. He worked to improve their education, health, and hygiene and inculcate confidence in them.

Main points of Summary of Indigo class 12 English

The background of the chapter, Indigo, was set in 1916 at the annual convention of the Indian National Congress party in Lucknow. Most of the arable land in the Chamarran was divided into large estates owned by Englishmen and worked by Indian tenants. The chief commercial crop was indigo, and the sharecroppers needed to pay 15 percent of their holdings in indigo and surrender the entire indigo harvest as rent. The sharecroppers were exploited by the landlords after Germany developed synthetic indigo, and the farmers were compelled to pay 15 percent to be released from the long-term agreement. This dispute became the chief cause of the Champaran movement. Raj Kumar Shukla arranges for a meeting with Gandhi. Mahatma Gandhi led the farmers' movement and went to Muzzafarpur to learn the details of the indigo disputes.

The news of Gandhi's advent spread quickly in Champaran. Gandhi advised the lawyers not to fight the case in court as "the real relief for them is to be free from fear." The arrival of Gandhi Ji in Chamaparan marks the beginning of the National Freedom movement in Champaran. When Gandhi Ji visited the secretary of the British Landlords' association, the secretary considered him an outsider and refused to furnish any details of the agreement on Indigo. Then, the Commissioner advised Gandhiji to leave Tirhut. The next day, he received a notice from the court to appear before it. The next morning, the people of Motihari gathered and started opposing the arrest warrant for Gandhiji. The judge didn't pronounce any orders against

Gandhiji. This way, "the battle of Champaran is won". Thus, Gandhiji laid a detailed plan for civil disobedience. Thus, Gandhiji remained in Champaran for seven months.

The final settlement on indigo was adopted, and Gandhiji explained that the amount of the refund was less important than the fact that the landlord had been obliged to surrender part of their prestige. Therefore, this movement helped the farmers to know their rights, and finally, they learned courage, which was more important than money. Thus, the British planters abandoned their estates, and indigo sharecropping disappeared.

Mahatama Gandhi wanted to do something about the social and cultural backwardness in the Champaran villages. Therefore, he opened six primary schools in six villages. The health conditions and the filthy state of women's clothes compelled Gandhiji to do something to improve the miserable conditions of people in Champaran.

Conclusion of the summary of Indigo.

Thus, the Champaran episode was a "turning point" in Gandhi's life. Louis Fischer further explained that Gandhiji "had read our minds...taught us a lesson in self-reliance." Thus, in Indigo, the author elaborates on self-sufficiency, Indian independence, and sharecropper assistance, and helps us understand how these three movements are intertwined.

Indigo Summary in Hindi Class 12 Flamingo(Google Translate)

Complete NCERT Solution Class 12 English Flamingo

इंडिगो सारांश का अंग्रेजी में परिचय(**Introduction of Indigo Summary in Hindi)**

अंग्रेजी में इंडिगो सारांश कक्षा 12 फ्लेमिंगो चंपारण आंदोलन के प्रमुख घटकों को समझने का प्रवेश द्वार होगा, जो भारतीय स्वतंत्रता का प्रतीक बन गया। "उनके लिए असली राहत डर से मुक्त होना है।" महात्मा गांधी ने भारतीय किसानों को अंग्रेजी जमींदारों के डर से बाहर निकलने में मदद की जो चंपारण के बटाईदारों का शोषण करते थे। अंग्रेजी के लिए इंडिगो सारांश 12 फ्लेमिंगो छात्रों को इंडिगो के प्रमुख बिंदु प्रदान करेगा। चमारान में अधिकांश कृषि योग्य भूमि अंग्रेजों के स्वामित्व वाली बड़ी सम्पदा में विभाजित थी और भारतीय किरायेदारों द्वारा काम की जाती थी। प्रमुख व्यावसायिक फसल नील थी। उसके बाद, आंदोलन ने किसानों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति साहसी और सतर्क बनने में सहायता की। इसके अलावा, गांधीजी ने न केवल राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर बल्कि सामाजिक मुद्दों पर भी काम किया। उन्होंने उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार करने और उनमें विश्वास पैदा करने के लिए काम किया।

इंडिगो कक्षा 12 अंग्रेजी के सारांश के मुख्य बिंदु(**Main points of Summary of Indigo class 12 Hindi)**

अध्याय की पृष्ठभूमि, इंडिगो(**Indigo)**, 1916 में लखनऊ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के वार्षिक सम्मेलन में स्थापित की गई थी। चमारान में अधिकांश कृषि योग्य भूमि अंग्रेजों के स्वामित्व वाली बड़ी सम्पदा में विभाजित थी और भारतीय किरायेदारों द्वारा काम की जाती थी। मुख्य व्यावसायिक फसल नील थी, और बटाईदारों को नील में अपनी हिस्सेदारी का 15 प्रतिशत भुगतान करना पड़ता था और पूरी नील फसल को किराए के रूप में

आत्मसमर्पण करना पड़ता था। जर्मनी द्वारा सिंथेटिक नील विकसित करने के बाद जमींदारों द्वारा बटाईदारों का शोषण किया गया, और किसानों को दीर्घकालिक समझौते से मुक्त होने के लिए 15 प्रतिशत का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया। यह विवाद चंपारण आंदोलन का मुख्य कारण बना। राज कुमार शुक्ल गांधी के साथ बैठक की व्यवस्था करते हैं। महात्मा गांधी ने किसान आंदोलन का नेतृत्व किया और नील विवाद का विवरण जानने के लिए मुजफ्फरपुर गए।

गांधी के आगमन की खबर चंपारण में तेजी से फैल गई। गांधी ने वकीलों को सलाह दी कि वे अदालत में केस न लड़ें क्योंकि "उनके लिए असली राहत डर से मुक्त होना है।" चंपारण में गांधी जी के आगमन से चंपारण में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत हुई। जब गांधी जी ब्रिटिश जमींदारों के संघ के सचिव से मिलने गए, तो सचिव ने उन्हें एक बाहरी व्यक्ति माना और इंडिगो पर समझौते का कोई विवरण प्रस्तुत करने से इनकार कर दिया। तब आयुक्त ने गांधीजी को तिरहुत छोड़ने की सलाह दी। अगले दिन, उसे अदालत से उसके सामने पेश होने का नोटिस मिला। अगली सुबह, मोतिहारी के लोग इकट्ठा हुए और गांधीजी के गिरफ्तारी वारंट का विरोध करने लगे। न्यायाधीश ने गांधीजी के खिलाफ कोई आदेश नहीं सुनाया। इस तरह, "चंपारण की लड़ाई जीत ली जाती है"। इस प्रकार, गांधीजी ने सविनय अवज्ञा के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की। इस प्रकार गांधीजी सात महीने तक चंपारण में रहे।

नील पर अंतिम समझौता अपनाया गया था, और गांधीजी ने समझाया कि वापसी की राशि इस तथ्य से कम महत्वपूर्ण नहीं थी कि जमींदार अपनी प्रतिष्ठा का हिस्सा आत्मसमर्पण करने के लिए बाध्य था। इसलिए इस आंदोलन ने किसानों को उनके अधिकारों को जानने में मदद की और अंत में, उन्होंने साहस सीखा, जो पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण था। इस प्रकार, ब्रिटिश बागान मालिकों ने अपनी सम्पदा छोड़ दी, और नील बटाईदार फसल गायब हो गई।

महात्मा गांधी चंपारण गांवों में सामाजिक और सांस्कृतिक पिछड़ेपन के बारे में कुछ करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने छह गांवों में छह प्राथमिक विद्यालय खोले। स्वास्थ्य की स्थिति और महिलाओं के कपड़ों की गंदी स्थिति ने गांधीजी को चंपारण में लोगों की दयनीय स्थिति को सुधारने के लिए कुछ करने के लिए मजबूर किया।

इंडिगो के सारांश का निष्कर्ष।(**Conclusion of the summary of Indigo in Hindi.)**

इस प्रकार, चंपारण प्रकरण गांधी के जीवन में एक "टर्निंग पॉइंट" था। लुई फिशर ने आगे बताया कि गांधीजी ने "हमारे दिमाग को पढ़ा था ... हमें आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया था।" इस प्रकार, इंडिगो में, लेखक आत्मनिर्भरता, भारतीय स्वतंत्रता और बटाईदार सहायता के बारे में विस्तार से बताता है, और हमें यह समझने में मदद करता है कि ये तीन आंदोलन आपस में कैसे जुड़े हैं।